

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

L A	<p>कामेत (1) स्वगोलीय विंड</p>
□ □	<p>(ii) हिम, धूल से निर्मित</p>
□ □	<p>(iii) सूर्य की ओर गति करता है और यह शक्ति को प्रसारित करती है।</p>
□ □	<p>अपभ्र - यह कीचड़दार उत्पत्ति की स्थिति होती है</p>
□ □	<p>जैसे सूर्य-चन्द्रमा, वृक्षी सूर्य की परत पर होते हैं।</p>
□ □	<p>(Sun) — (E) — (M)</p>
□ □	<p>उपग्रह - यह निम्न प्रकार की स्थिति है।</p>
□ □	<p>सूर्य-चन्द्रमा, वृक्षी 90° कोण बनाते हैं।</p>
□ □	<p>(S) — (E) — (M)</p>
□ □	<p>हरमहन (1) गर्म शुष्क तथा तीव्र पवन</p>
□ □	<p>सहारा रेगिस्तान से गिनी वत</p>
□ □	<p>(ii) गिनी वत पर आरिफा को समान कर मौसम सुधारा करती है।</p>
□ □	<p>(iii) डाक्टर विंड कहते हैं।</p>

□ □ D

विशेष विनिर्देश

□ □

(A) U-आकार की खाती - खुदत उपकरण से

□ □

(B) लकड़ी की खाती - सहज हीमानी मुल्कहिमानी खाती

(C) अड़खिला पर लकड़ी प्रती रहती है।

□ □

(D) अंड पीठ समाप्त अपादन लय

□ □ E

खराब खेतसूह - (A) आदिपत पुगपच्यात विडसित

□ □

खेतसूह

(B) मरुपसूहोमे बालाघात, हिन्दुनाड

□ □

व देशमे कुनिकडे से समीप

□ □

रापलसीमा डेपणर घाउअड-चहान

□ □

निमित्त ।

(C) खनिज संपन्न चहान लिखते

□ □

पिपला लख - स्थिति - उडीला तट - बंगाल की खाती

□ □

समुद्र - समीप

लखनीप, लखन झील ।

महल -

मरुप व मोलीवट

रिडिले वरिल

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/> G	तिरुपुत्रवल्ली - स्थिति - उत्तराखण्ड राज्य मूल - भारत के तिब्बत से जोड़ा है।
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/> H	न्यू-द्वीप - (I) गंगा - हवामुह इलाके से प्रवाहित। (II) काली नदी से हिमनदी प्रवाहित।
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/> J	शुभाग्र नदी - उत्पत्ति - मणिपुर पहाड़ियों से संगम - मेघना नदी के नाम से गंगा में
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/> K	रक-रक, रक-रक आदि (प्रकार) -
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	भारत में खाद्य गुणवत्ता व मात्रा निर्धारण करने वाली आदि संख्या।
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/> L	र. इ. लिड - <u>क्रिकेट</u>
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	(I) क्वि इलाके में निहित बने के इलाके से क्वि क्षेत्रों में इनका निर्माण किया गया है।



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इन प्रश्नों का चयन काल विज्ञान के आधार पर दिया है। यहाँ उन्हें प्रस्तुत करना व अन्य अवधान उपलब्ध होती है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	M	चुंबकीय - यह सू-सुधार का एक उपकरण है जो विद्युत धारा को बदलकर या संगठित कर कृषि के लिए इसके लिए तकनीकी सहायता प्रभाव युक्त है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	M	कृषि शिक्षण (1) कृषि शिक्षण (2) जल में उपरि मिश्रण : पानी को तैलान करने की विधि।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	0	N.P.D.M - (1) N.P.D.M - Act - 2005 द्वारा स्थापित (2) यह राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के अधीन कार्य करता है। (3) इसका कार्य - शोध, प्रशिक्षण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

पृथ्वी मांतरिक संरचना

2 A

पृथ्वी की संरचना के प्रक्षयपन हेतु विविध स्तरीय प्रयोग
ज्वालामुखी, भूकम्प, स्तरीय अपस्थिति के साक्षात् पर विभिन्न

प्रयोगों पर हम पहुँचते पाते हैं-

- (1) भूकम्प - यह सिस्म (SIAL) पत होती है
 (a) मोती - 30 km, Si, Al तत्व प्रधान
 (b) सबसे ऊपरी पत

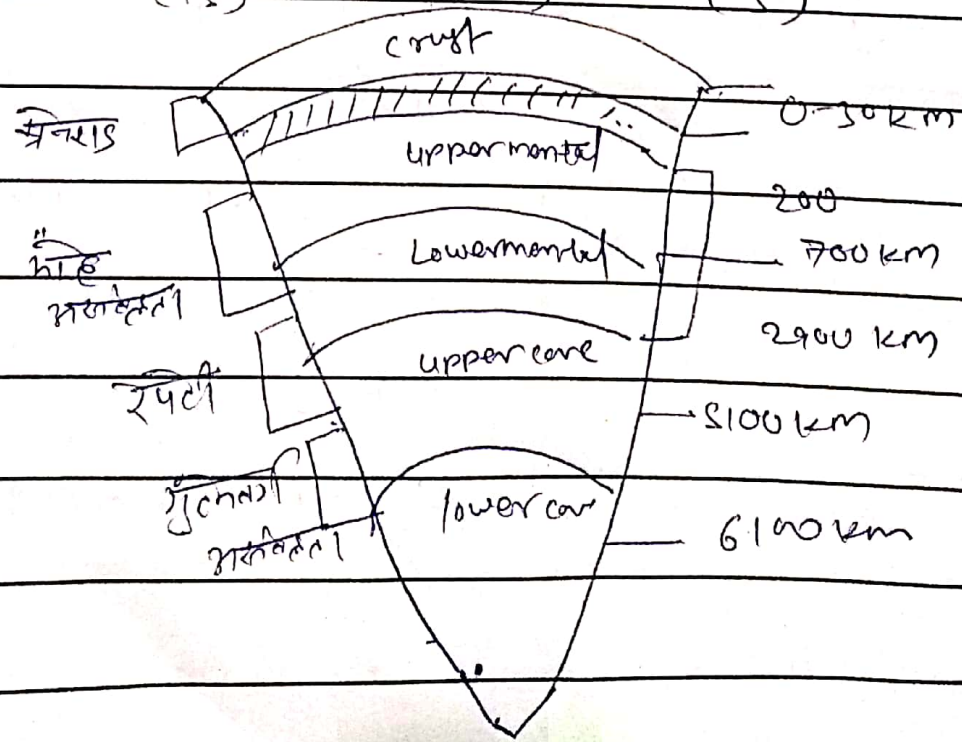
(2) मैटल -

यह भूकम्प के तंत्रिकीय प्रयोग
यह कुल पृथ्वी आयतन का 83% व द्रव्यमान का 98%
होता है इसके Si, Mg तथा Fe प्रधानता

(3) कोर -

यह Ni-Fe पत कहलाती है जो
सर्वाधिक घनत्व वाला मिश्र, व उच्चतम तापमान

घनत्व क्रम कोर > मैटल > क्रस्ट
(12) (5-10) (3)





मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

वायु अपरदन का निमित्त लिखिए

D

(17) ज्यूगेन → वायु के अपरदन से गरम चहाने इतर दर वास्तुनुमा संरचना ज्यूगेननिमित्त करती है।

(18) इन्सुलेशन → जब अपरदन होता है कि चिले आगमे ऊपरी हिस्से से आता है तो स्तम्भनुमा इन्सुलेशन लगते हैं।

(19) बालू का रूप → बाहरी स्थानों से मिट्टी, धूल निम्न उदाहर बालू का रूप का निमित्त करते हैं।

(20) झरझर → जमीन पर चहानों के तुंडे जो लम्बातर अपघर्षण से बुकीले हो जाते हैं।

(21) अपरदन → इससे मशकतनुमा संरचना निमित्त हो जाती है।

(22) जाली दर शिला → कम ऊपर चहानों के अपरदन से जब चहानों में ही प्र निमित्त हो जाते हैं।

(23) लोएस → रेगिस्तान से उदाहर लोएस महीन बालू उण के मीदान।

शु. उन्नी चीन के मीदान

संयुक्त राष्ट्र संघ

विश्व के उपखण्ड

(1) चीन -> चीन के मंगोली व हांगकांग नहीं
बाली ; लावा मेडान , मंयूरिया
शान्सी प्रदेश

(2) जापान - ओसाका , जिबू

(3) अङ्ग्लैंड - मैनचेस्टर , लंदन , सिड

(4) अमेरिका - प्रियरी प्रदेश , कॅलिफोर्निया

(5) अमेरिका - कॅलिफोर्निया - पश्चिमी तटीय प्रदेश

(6) आस्ट्रेलिया - क्विन्सलैंड , न्यू साउथ वेल्स , वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया

(7) इटली - इटली -> मिलांन , डुरिन प्रदेश

(8) भारत - महाराष्ट्र , मालवा , गुजरात
दक्कन पठार

(9) पाकिस्तान - करांची प्रदेश

□ □ 61

भारत के पशुधन उत्पादक क्षेत्र

(1) पश्चिमी क्षेत्र

□ □

(a)

गुमनाई हाई-

यह आकशौर उत्पादक क्षेत्र है

□ □

यहाँ तट से ऊपर जाकर रिकवरी

पशुधन निकषिषा किया जाता है।

□ □

(b) डिगईर

यह असम में स्थित है।

□ □

देशी-विदेशी निष्कषिषण इस क्षेत्र में किया जाता है।

है।

□ □

(c) बाड़मेर-

मंगला-क्षेत्र, आकशौर पशुधन

क्षेत्र, यहाँ बहुत ऊँचा प्रात दुई है।

□ □

□ □

(d) कांडला-

गुजरात तट का क्षेत्र यह

□ □

यहाँ शासकीय, गैर शासकीय

इकाईया निष्कषिषण में कार्यरत है।

□ □

(e) रुब्बा-गोदावरी-खाती-

यहाँ उपरिषण ऊँचाई

की प्राप्ति हुई है।

□ □



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/> H	<u>उडकारण्य - पठार</u>
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<u>विस्तार</u> - इसका विस्तार - किसी तब मान फलीक उड़ीसा राज्य व महाराष्ट्र राज्यों में बिस्तृत हैं।
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<u>वर्षा</u> - 100-125 cm
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<u>जलवायु</u> - मानसूनी, शुष्क जलवायु
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<u>वनस्पति</u> - मानसूनी, कुछ कठिनवर्धीय आदि पर्वतीय
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<u>खनिज</u> - थार वाद - चहानो, व गोंडवाना शैल की प्रधानता
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	अतः आपरन (फस), तिन (फस), कोयला व मैंगनीज के बृहत् भंडार
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<u>नदियां</u> - (क) महानदी, हंसो व वांगो, रिहल, रावे ढाल - उल्ही - पूर की तरफ
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<u>उद्योग</u> - उद्योगों का जमावा विस्तार नहीं वन आधारित एवं लघु ही समुदाय उद्योग
<input type="checkbox"/> <input type="checkbox"/>	<u>जनवांश</u> - जनजातीय क्षेत्रों की बहुलता कुल जनसंख्या अनुपात विहतर

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका

(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

□ □ I	<p>चैनी बिल साठवी (1986)</p> <p>घटना की तिथि - जून 1986 चैनी बिल परमाणु रिक्टर</p>
□ □	<p>घटना का स्वरूप लिखिए</p>
□ □	<p>चैनी बिल के रिक्टर में एकपटीयग किया जाता था कि अधिकतम ही तो ताप उसे नियमित करे कि यह पटीयग</p>
□ □	<p>700 MW में होता था चीकर की नियम ने 200 MW पर क्षेत्र का निर्माण किया।</p>
□ □	<p>किंतु उसका क्षेत्र का निर्माण नहीं किया कि इसमें पानी नहीं था।</p>
□ □	<p>जैसे रिक्टर चाहे रेडियो सक्ति के पिछला चालू हुआ। जल्दी नाजी में पानी के क्षेत्र में आता तो</p>
□ □	<p>प्रसा कु का ही तरह बिक्री के इह लोग लिखित हलु व 700 MW रेडियो सक्ति परमाणु वायुमंडल में रिसाव</p>
□ □	<p>संज्ञा - हजारा लोगो की रेडिएशन में हलु</p>
□ □	<p>उपाय - (1) कुरन्त रिक्टर को सील किया गया (1) क्षेत्र में बैरिक एसिड चरित उलवाया</p>
□ □	<p>(1) मेघनीयत कराया गया व लोगो को स्वाप गमा।</p>
□ □	<p>वृत्ति - चीफ इंजीनियर का निर्णय व कर्मचारियों की घटना रोकने में विफलता।</p>



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

य लुनात से क्यन के उपाय

1

सुरक्षित निर्माण

(1) घर को मजबूत नीव देना

(11) घर की दीवारों को बेंड व रिड-कांसिमेन्ट
द्वारा जोड़ना

(111) घर का आकार गोलाकार या बहु भुज रचना

(1111) घर की छत का आकार पिरामिडीय हो।

(11111) घर की छत के डिग्री कम निकलें।

2) मौसम-चेतवानी लक्ष्मी से जुड़े रहना

3) अपने घर पर ही रहना, बाहर घूमने

या मस्य पड़ने मात्र पर जाने से बचें

4) तबो से 500m के तबो को खाली
करा लिया जाए

5) आपका मोचक बल्लों व निर्देश डूबो

की सक्षिप करना।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

कुशल सिंचाई पद्धतियाँ

K

कुशल सिंचाई पद्धति से तात्पर्य है ऐसी सिंचाई जिसमें पहिगाए जल का ज्यादातर भाग पादप उपयोग करे व पानी की खर्च न्यूनतम हो।

पद्धतियाँ

(I) व्यारी विधि पंक्ति बहक सतहों में मध्य प्राची वना कर मुख्य नलिका काय जल वितरण।

(II) लागी विधि पादप समूहों को गोलियाँ या आयताकार नालों की निर्माण कर जल वितरण।

(III) प्रकल्प नैबल कारा 2 kg/cm² के दबाव पर पानी का छिड़काव।

(IV) ड्रिप पद्धति इसमें सिंचाई एक पादप जिसमें महीन कीट हो काय गजडोप होती है यहाँ सबीधि कस पद्धति है।

(V) समुच्चय व अधिकान्ध सिंचाई

परिचालना पर सौंपता व मेडकानिगि कर जल काय सिंचाई करत।



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

समुही लवणता व लवणता प्रति व लवणता

3 (A)

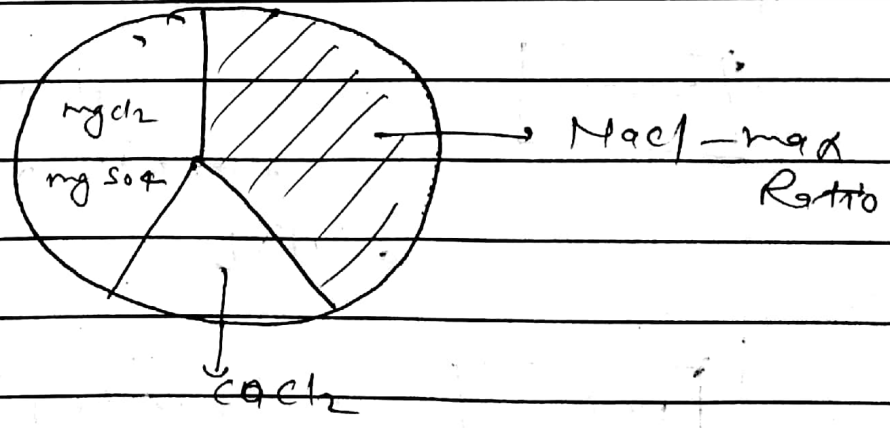
परिचय

समुही लवणता प्रति इन्फि आयतन में उपस्थित लवणों की सांद्रता, समुही लवणता कहलाती है।

इसे % द्वारा व्यक्त करते हैं। इसका तात्पर्य ग्राम/ हजार ग्राम

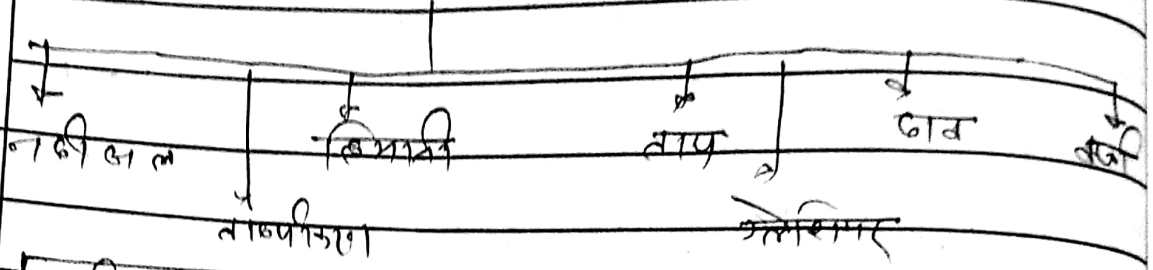
साधारण लवणता की परास 35-40 होती है। किन्तु बान्सील में 33-35 तक पायी जाती है।

लवणता में योगदान



सर्वाधिक योगदान NaCl का है। यह हमला है नही लवण में CaCl2 सर्वाधिक जिसे, जिसे प्रतिशत को है। हमें योग दिया जाता है।

लवणता के कारक



नदी जल - यदि समुद्र में नदी जल की मात्रा बनी
ता लवणता घटती है।

हिमानी - यदि हिमानी जल स्त्रोतों में लवणता
घटती है।

उत्क्षिपण - उत्क्षिपण घटने पर स्त्रोतों में लवणता
घटती है। यदि कम पिघलने से लवणता
बढ़ती है।

वाष्पीकरण - यदि वाष्पीकरण स्त्रोतों में लवणता
बढ़ता है।

वर्षा - यदि वर्षा स्त्रोतों में लवणता कम

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

ताप → ताप ज्यादा हो, वाष्पीकरण ज्यादा होये
से लवणता ज्यादा।

दान → दान ज्यादा हो प्रति आपतन में लवणता
की मात्रा ज्यादा।

पवन → स्थानीय पवन लवणता को प्रति प्रतिफलित
कर रहे इस विशेष में ज्यादा या कम
कर डी है।

महासागरीय जलधाराएँ

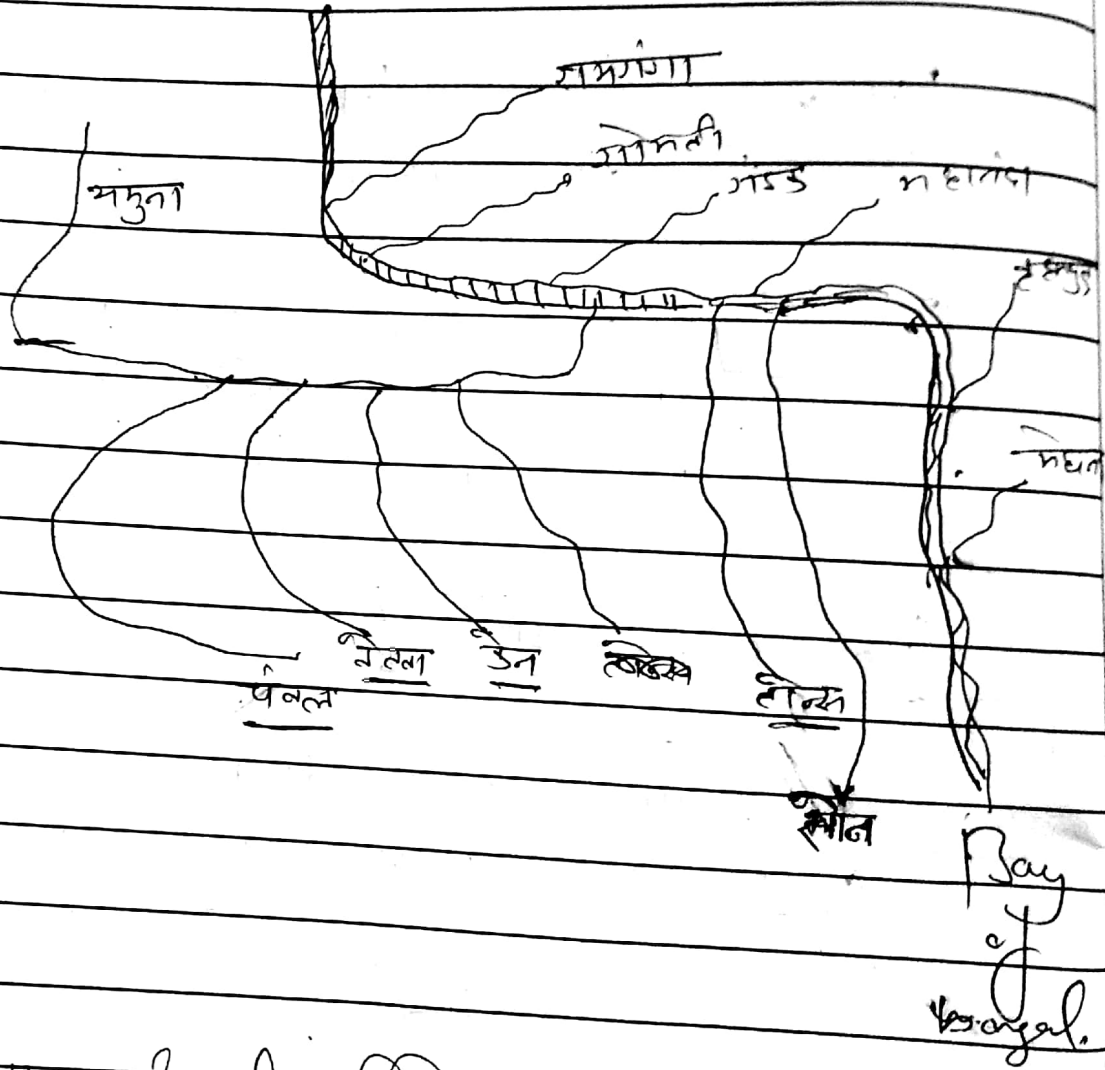
ये जलधाराएँ लवण जल लाती जाती लवणता घटाती
है या लवणीय जल लाती, लवणता बढ़ाती है।

**मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)**

प्रश्न संख्या

B

गंगा अपवाह



गंगा आर्या की सर्वाधिक विस्तृत जलधरणी है
 यह आर्या उन्नाव के गोमती ग्लेशियल
 है। यह उन्नाव, उत्तरप्रदेश
 व बिहार होते हुए बंगाल की खाड़ी में
 प्रवेश कर जाती है।



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

बसती सहायक नदियां किसे कहते हैं।

उत्तर- नहुजा-

सबसे छोटी बड़ी सहायक नदी
बलाघाटा में संगम विधिते
बंदरबूढ़ जलोचिता से उत्पन्न
कुन, बेलवा, चंबल बसती सहायक
नदियां

(117) सफाई नदी → यह नदी नेपाल सीमा से
प्रवाहित होती हुई गंगा में मिल जाती है।

(118) गंडक नदी- नेपाल में उद्गम, बिहार में
गंगा में संगम

(119) महानदी- यह नदी सबसे छोटी बसती
सहायक नदी है। बिहार में संगम
बनाती है।

(120) सोन- अमरावती पठार से उद्गम।
बिहार में देनापुर में संगम

(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

दोस्त- मैद उद्योग पहाड़ी से निकल
मिर्जापुर में गंगा में मिलती है।

मध्याह्निकी- मणिपुर पहाड़ी से निकलता
बंगाल में गंगा में मिल जाती है।

महल

गंगानदी तंत्र भारत का सबसे बड़ा जल प्रवाह है
भारत के उत्तरी मैदानी भाग की पहलू बना
रेखा का निर्धारण करती है। इसका महल निम्न
लिखित है।

~~उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, उत्तराखण्ड
ये राज्य इस पर आसिद्ध हैं~~

(1) लुचि- उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों में
उपयोगी जलोढ़ मृदाओं के रूप में
उपजाऊ जलोढ़ों निर्माण
जिलों में अत्यधिक उत्पादन होता है।

(11) उद्योग-

जल की उपलब्धता से चलते अनेक उद्योगों का विकास बनपुर, बनारस जैसे शहरों में दिखा गया है।

(12) परिलेन-

राष्ट्रीय जलमार्ग-1 का शीतलिंग (दिमागवा) में स्थानीय परिलेन में विशेष योगदान

(13) जलनिधि-

गंगा डेल्टा, ब्रह्मपुत्र व इन डेल्टा पाए जाते हैं।
बनारस में भी आसपास मिले।



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

भारत में भू सुधार

परिचय

भू सुधार से तात्पर्य है कि सुधार जिनसे कृषि उत्पादन बढ़े व कृषकों की उत्पत्ति का सर्वा प्रशास्त्र हो। इससे भूमिसंरचना में सुधार भी शामिल है।

लाभ -

(1) कृषि उत्पादन में वृद्धि।

(2) कृषि में तकनीकी प्रयोग सुसाध्य।

(3)

कृषक जीवनस्तर सुधार।

(4)

कृषक आप वृद्धि सुनिश्चित।

(5) बेहतर भूमि प्रबंधन

(6) सैकायता का उचित उपभोग व दोहन संभव।

मुख्य परीक्षा उत्तर पास्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

भारत में सूक्ष्म

जलप्रीवारी हकनदी - यदुवरी सू-विरवा

उत्पूलन

(1) जलीवारी उत्पूलन

यह सू-सुधार का प्रथम चरण था जिसके जलीवारी

व साहुको का उत्पूलन सिमागया। जलीवारी से राजा अखिरा व सू-अखिरा को हा हीतागया

आपक बं-सिमागाली व डाड लकन्या हातिगिया

डा साहुको के-उंगुल से पुम्बिदिमि

अनुसूची नं 1 में सू-सुधार से नदी प्रकथाने का रणित सिमागया।

(11) हकनदी-1

सू-सिडी प्रकथ लकन्या से पास सीमा हातिगिया सिमागया।

इकन तिहारि सीमा से जहा सू-सि रणित की अनुमति नहीं

(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

(111) राज्य

कृषि के लिए इस क्षेत्रों को प्राथमिकता देना

ब समझित कृषि को बढ़ावा देना।

इससे हीले क्षेत्रों की समझना हल हुई।

(12) शु-वितरण

उपरोक्त शक्ति का अधिकार कर देना -

शु-मिहीन कृषकों को प्रदान किया गया

इससे लाभो गरीबों को शू-अधिकार प्रदान

(13) वक्रीक प्रवेश

शू-सुधारों के कृषिमे वक्रीक प्रवेश

उत्तर नीचे उपकरण, उबरिक आदि प्रयोग

(14) शुका स्वास्थ्य परीक्षण

Soil health card scheme

2015